Chhoti Si Kutiya Meri Bhajan Lyrics in Hindi English

Chhoti Si Kutiya Meri Bhajan Lyrics in Hindi

छोटी सी कुटिया मेरी,
आने में क्या है देरी,
दीनो के घर जाने की,
कान्हा आदत है तेरी,
किरपा तू कर दे भारी,
मुझपे मेरे गिरधारी,
जन्मों से हूँ मैं कान्हा,
तेरा पुजारी,
छोटी सी कुटीया मेरी,
आने में क्या है देरी।

मैंने कुटिया आज बुहारी,
बैठा देखूं राह तुम्हारी,
नैन लगे है रोने,
ओ महलों में रहने वाले,
हम है तेरे चाहने वाले,
आजा श्याम सलोने,
मैं हूँ सेवक तेरा,
तू है मालिक मेरा,
सदियों से मैं हूँ तेरे,
दर का भिखारी,
छोटी सी कुटीया मेरी,
आने में क्या है देरी।

रुखा सूखा जो बन पाया,
मैंने मोहन आज बनाया,
आके भोग लगा जा,
लोटा भर के छाछ चढ़ाले,
ठन्डे जल से प्यास बुझा ले,
ओ सांवरिया आजा,
ये दोपहरी जले,
ठंडी छाव तले,
कुटिया में मेरी आके,
लेटो मुरारी,
छोटी सी कुटीया मेरी,
आने में क्या है देरी।

झाड़ पोंछ के खाट बिछाई,
आजा प्यारे श्याम कन्हाई,
आके टेक लगा ले,
तुमको पंखी श्याम ढुलाऊँ,
हौले हौले चरण दबाऊं,

थोड़ा सा सुस्ता ले,
‘हर्ष’ अर्जी करूँ,
कबसे विनती करूँ,
सेवक को ना तरसाओ,
श्याम बिहारी,
छोटी सी कुटीया मेरी,
आने में क्या है देरी।

छोटी सी कुटिया मेरी,
आने में क्या है देरी,
दीनो के घर जाने की,
कान्हा आदत है तेरी,
किरपा तू कर दे भारी,
मुझपे मेरे गिरधारी,
जन्मों से हूँ मैं कान्हा,
तेरा पुजारी,
छोटी सी कुटीया मेरी,
आने में क्या है देरी।

Chhoti Si Kutiya Meri Bhajan Lyrics in English

Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri,
Deeno ke ghar jaane ki,
Kanha aadat hai teri,
Kirpa tu kar de bhaari,
Mujhpe mere Girdhari,
Janmo se hoon main Kanha,
Tera pujari,
Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri.

Maine kutiya aaj buhaari,
Baitha dekhun raah tumhaari,
Nain lage hai rone,
O mahlo mein rehne waale,
Hum hai tere chaahne waale,
Aaja Shyam salone,
Main hoon sevak tera,
Tu hai malik mera,
Sadiyon se main hoon tere,
Dar ka bhikhari,
Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri.

Rukha sukhha jo ban paaya,
Maine Mohan aaj banaya,
Aake bhog laga ja,
Lota bhar ke chhaach chadhaale,
Thande jal se pyaas bujha le,
O Sanwariya aaja,

Yeh dopahri jale,
Thandi chhaav tale,
Kutiya mein meri aake,
Leto Murari,
Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri.

Jhaad ponch ke khaat bichayi,
Aaja pyaare Shyam Kanhaai,
Aake tek laga le,
Tumko pankhi Shyam dhulaoon,
Haathle haathle charan dabaaoon,
Thoda sa susta le,
'Harsh' arzi karoon,
Kabse vinti karoon,
Sevak ko na tarasao,
Shyam Bihari,
Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri.

Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri,
Deeno ke ghar jaane ki,
Kanha aadat hai teri,
Kirpa tu kar de bhaari,
Mujhpe mere Girdhari,
Janmo se hoon main Kanha,
Tera pujari,
Chhoti si kutiya meri,
Aane mein kya hai deri.

About "Chhoti Si Kutiya Meri" Bhajan in English:

"Chhoti Si Kutiya Meri" is a devotional bhajan that expresses the deep love and devotion of a devotee towards Lord Krishna (Kanha). The bhajan talks about the simplicity of the devotee's life, symbolized by the small hut (kutiya), and the longing for Lord Krishna to come and bless the devotee with His presence. The devotee humbly requests Lord Krishna to come and rest in the hut, where the devotee has prepared offerings for Him.

The song also speaks of the emotional bond between the devotee and Lord Krishna, where the devotee has been waiting patiently for the Lord's visit. The imagery of the hut, the offerings, and the devotee's devotion symbolize a simple yet profound connection with God. The repeated call for Krishna to come and bless the devotee with His grace emphasizes the unwavering faith and desire for divine interaction.

The bhajan conveys that no matter how humble the life may seem, true devotion can bring the Lord into one's heart and home, and the devotee expresses a deep sense of surrender and longing for Krishna's presence.

About "Chhoti Si Kutiya Meri" Bhajan in Hindi:

"छोटी सी कुटिया मेरी" एक भावपूर्ण भक्ति भजन है जो भक्त की भगवान श्री कृष्ण (कन्हा) के प्रति गहरी श्रद्धा और समर्पण

को दर्शाता है। भजन में भक्त अपनी छोटी सी कुटिया को भगवान के स्वागत के लिए सजाता है और भगवान कन्हा से निवेदन करता है कि वह आकर उसकी कुटिया में विश्राम करें। भजन में यह चित्रित किया गया है कि भक्त ने भगवान के लिए प्रेम और श्रद्धा से भरा हुआ वातावरण तैयार किया है।

भजन में यह भी व्यक्त किया गया है कि भक्त का जीवन सरल है, लेकिन उसका प्रेम और भक्ति भगवान के प्रति अडिग और गहरा है। भगवान के दर्शन की इच्छा और उनके आशीर्वाद की प्रतीक्षा में भक्त अपनी कुटिया में भगवान के स्वागत के लिए तैयार है। यह भजन भगवान श्री कृष्ण के प्रति भक्त के समर्पण, श्रद्धा और प्रेम का प्रतीक है, जो यह दर्शाता है कि चाहे जीवन कितना भी साधारण क्यों न हो, सच्ची भक्ति से भगवान का आशीर्वाद और प्रेम प्राप्त किया जा सकता है।